डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण (डीपीडीपी) अधिनियम, 2023

- केंद्र सरकार ने हाल ही में डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण (डीपीडीपी) अधिनियम, 2023 के चुनिंदा प्रावधानों को अधिसूचित किया है, जिससे कानून के कुछ हिस्से लागू हो गए हैं।
- अधिनियम को लागू करने के लिए, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) ने मसौदा डीपीडीपी नियम 2025 को भी अधिसूचित किया है।

- डिजिटल व्यक्तिगत डेटा को नियंत्रित करने वाला भारत का पहला व्यापक डेटा संरक्षण कानून। यह सर्वोच्च न्यायालय के **केएस पुट्टस्वामी (2017) के** फैसले पर आधारित है, जिसने अनुच्छेद 21 के तहत गोपनीयता को मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता दी थी। यह यूरोपीय संघ के जीडीपीआर जैसे वैश्विक मॉडलों से प्रेरित है, लेकिन भारत-विशिष्ट विशेषताओं के साथ।

प्रमुख परिभाषाएँ

- **डेटा प्रिंसिपल:** वह व्यक्ति जिसका व्यक्तिगत डेटा संसाधित किया जा रहा है। नाबालिगों (18 वर्ष से कम) या संरक्षकता के अधीन व्यक्तियों के लिए, उनके अभिभावक को डेटा प्रिंसिपल माना जाता है।
- **डेटा फ़िड्युसरी:** एक इकाई (कंपनी, संगठन, व्यक्ति) जो व्यक्तिगत डेटा के प्रसंस्करण के उद्देश्य और तरीके तय करती है।

- **डेटा प्रोसेसर:** कोई व्यक्ति जो किसी फ़िड्युसरी (उदाहरण के लिए, क्लाउड सेवा प्रदाता) की ओर से डेटा संसाधित करता है।
- **डिजिटल व्यक्तिगत डेटा:** डिजिटल रूप में व्यक्तिगत डेटा - चाहे ऑनलाइन एकत्र किया गया हो, या भौतिक रूप में एकत्र होने के बाद डिजिटल किया गया हो।
- **व्यक्तिगत डेटा उल्लंघन:** व्यक्तिगत डेटा तक कोई भी अनधिकृत पहुँच, हानि या परिवर्तन जो उसकी गोपनीयता, अखंडता या उपलब्धता को प्रभावित करता है।
- **महत्वपूर्ण डेटा फ़िड्यूशियरी (एसडीएफ):** उन फ़िड्यूशियरी के लिए एक वर्गीकरण जो बड़ी मात्रा में या संवेदनशील डेटा संभालते हैं, या डेटा प्रिंसिपल, राष्ट्रीय सुरक्षा या सार्वजनिक व्यवस्था के लिए कोई विशेष जोखिम पैदा करते हैं।
- **सहमति प्रबंधक:** एक नई मध्यस्थ भूमिका - ये ऐसी संस्थाएँ हैं जो मानकीकृत तरीके से उपयोगकर्ता की सहमति का प्रबंधन करने में मदद करती हैं।

प्रभाव क्षेत्र (Scope) और लागू होने की सीमा (Applicability)

- यह अधिनियम **डिजिटल व्यक्तिगत डेटा** को नियंत्रित करता है। वे कागज़ी रिकॉर्ड जो कभी डिजिटाइज़ नहीं हुए हैं, इस कानून के दायरे में नहीं आते।
- इसका **अतिरिक्त-क्षेत्रीय प्रभाव** भी है: यदि भारत के बाहर कोई कंपनी भारत के व्यक्तियों के डिजिटल व्यक्तिगत डेटा का प्रसंस्करण करती है (जैसे भारतीयों को सेवा प्रदान करना), तो यह कानून लागू हो सकता है।
- कुछ श्रेणियाँ कानून से बाहर हैं, जैसे —
  - पूरी तरह व्यक्तिगत या घरेलू उपयोग,
  - स्वयं-प्रकाशित डेटा,
  - कुछ सरकारी कार्यों से संबंधित प्रसंस्करण।

प्रमुख सिद्धांत और दायित्व (Major Principles & Obligations)

1. **सहमति (Consent)**
   - व्यक्तिगत डेटा का प्रसंस्करण सामान्यतः **स्वतंत्र, सूचित और स्पष्ट** सहमति से ही किया जाएगा।
   - नोटिस में यह स्पष्ट होना चाहिए कि कौन-सा डेटा लिया जा रहा है, क्यों और किस प्रकार उपयोग होगा।
   - सहमति **वापस लेने की प्रक्रिया** भी बतानी होगी।
2. **उद्देश्य सीमितता एवं डेटा न्यूनतमकरण (Purpose Limitation & Data Minimization)**
   - केवल वही डेटा लिया जाए जो आवश्यक हो।
   - उद्देश्य पूरा होते ही डेटा को हटा देना चाहिए; अनावश्यक रूप से संग्रहित नहीं किया जा सकता।

3. सुरक्षा प्रावधान (Security Safeguards)

- डेटा की सटीकता, गोपनीयता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त उपाय आवश्यक हैं।
- डेटा उल्लंघन (Data Breach) की स्थिति में DPBI और प्रभावित व्यक्ति को सूचना देनी होगी।

4. डेटा प्रधान (Data Principal) के अधिकार

व्यक्तियों को निम्न अधिकार मिलते हैं:

- **पहुँच का अधिकार:** कौन-सा डेटा रखा गया है, इसकी जानकारी मांग सकते हैं।
- **सुधार/हटाने का अधिकार:** गलत डेटा को सुधारने या हटाने का अधिकार।
- **सहमति वापस लेने का अधिकार।**
- **शिकायत निवारण का अधिकार:** अधिकारों के उल्लंघन पर बोर्ड से शिकायत कर सकते हैं।
- **सहमति प्रबंधक (Consent Manager) नियुक्त करने का अधिकार।**

5. बच्चों के लिए विशेष संरक्षण (Children's Protection)

- 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों पर **टार्गेटेड विज्ञापन या व्यवहार निगरानी** प्रतिबंधित है।
- माता-पिता/अभिभावक की **सत्यापित सहमति** आवश्यक है।

6. महत्वपूर्ण डेटा फिड्युशियरी (Significant Data Fiduciary – SDF)

- इनके लिए अतिरिक्त दायित्व:
  - भारत में डेटा प्रोटेक्शन ऑफिसर नियुक्त करना,
  - डेटा संरक्षण प्रभाव मूल्यांकन (DPIA),
  - नियमित ऑडिट आदि।

संस्थागत तंत्र: डेटा प्रोटेक्शन बोर्ड (Data Protection Board of India – DPBI)

- बोर्ड कानून का पालन सुनिश्चित करता है।
- जांच, सुधारात्मक आदेश देने और दंड लगाने की शक्ति रखता है।
- गंभीर उल्लंघनों पर दंड **₹250 करोड़ तक** हो सकता है।
- बोर्ड के आदेश के खिलाफ अपील **TDSAT** में की जा सकती है।

छूट और राज्य की शक्तियाँ (Exemptions & State Powers)

निम्न स्थितियों में सरकार को छूट:

- संप्रभुता, सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था, अपराध रोकथाम के मामले।

छूट निम्न पर लागू हो सकती है:

- अधिसूचित सरकारी एजेंसी,
- अनुसंधान, अभिलेखीय एवं सांख्यिकीय उद्देश्य,
- स्टार्टअप या अधिसूचित डेटा फिड्युशियरी,
- न्यायिक कार्य,
- कानूनी अधिकारों के प्रवर्तन,
- विदेशी डेटा का प्रसंस्करण (विदेशी अनुबंध के तहत)।

DPDP Rules 2025 की प्रमुख विशेषताएँ

1. सहमति प्रबंधक (Consent Managers)

- उपयोगकर्ता की सहमति को प्रबंधित करने की मानकीकृत प्रणाली।
- भारतीय कंपनी के रूप में पंजीकृत होना और बोर्ड से अनुमति लेना आवश्यक।

2. सुरक्षा उपाय (Security Safeguards)

- एन्क्रिप्शन, मास्किंग, एक्सेस-कंट्रोल, मॉनिटरिंग जैसे उपाय अनिवार्य।
- डेटा एक्सेस और सुरक्षा घटनाओं का लॉग रखना आवश्यक।

3. डाटा उल्लंघन सूचना (Breach Notification)

- उल्लंघन होने पर **72 घंटे के भीतर** बोर्ड और व्यक्तियों को सूचना देनी होगी।

4. डेटा संरक्षण एवं मिटाना (Data Retention & Erasure)

- सोशल मीडिया, ई-कॉमर्स जैसे इंटरमीडियरी को **3 साल की निष्क्रियता** के बाद डेटा हटाना होगा।
- हटाने से **48 घंटे पूर्व** व्यक्ति को नोटिस देना होगा।
- तथा उद्देश्य पूरा होते ही डेटा मिटाना आवश्यक।

5. बच्चों के लिए अभिभावकीय सहमति (Parental Consent)

- 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों के डेटा प्रसंस्करण हेतु **सत्यापित अभिभावकीय सहमति** अनिवार्य।

6. डिजिटल-प्रथम DPBI

- शिकायत निवारण, पंजीकरण, उल्लंघन रिपोर्टिंग आदि **पूरी तरह डिजिटल माध्यम** से।

7. सीमा-पार डेटा हस्तांतरण (Cross-Border Transfer)

- व्यक्तिगत डेटा विदेश भेजा जा सकता है, लेकिन केंद्र द्वारा तय शर्तों के तहत।

आलोचनाएँ (Criticisms)

1. **सरकारी छूट बहुत व्यापक** होने का आरोप।
2. **GDPR जैसे अधिकारों की कमी**, जैसे Data Portability।
3. **डेटा संप्रभुता** को लेकर चिंता — सरकार बाद में प्रतिबंध लगा सकती है।
4. **व्यक्तिगत मुआवज़ा** का प्रावधान नहीं — केवल दंड।
5. छोटे व्यवसायों के लिए **पालन (compliance) कठिन** हो सकता है।

आगे (Way Forward)

- सरकारी छूट की स्पष्ट परिभाषा।
- सरकारी डेटा प्रसंस्करण पर मजबूत सुरक्षा ढांचा।
- द्विपक्षीय डेटा-हस्तांतरण समझौते।
- उभरती तकनीकों (AI, बायोमेट्रिक्स) के अनुसार नियमित अपडेट।
- GDPR और अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाना।

अंबाजी व्हाइट मार्बल को GI टैग

- गुजरात के बनासकांठा जिले के अंबाजी व्हाइट मार्बल को वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत Geographical Indications Registry द्वारा GI टैग प्रदान किया गया है।
- यह टैग Ambaji Marbles Quarry and Factory Association के नाम से जारी किया गया है।

अंबाजी मार्बल के बारे में

• यह संगमरमर अंबाजी क्षेत्र से प्राप्त होता है, जो एक प्रमुख शक्तिपीठ और तीर्थस्थल है।

इसकी विशेषताएँ:

- शुद्ध सफ़ेद रंग
- कॉर्पोरेट फर्म और चमक
- भारी टिकाऊपन
- ऐतिहासिक उपयोग:
- पिछले 1200-1500 वर्षों से मंदिर निर्माण में उपयोग हो रहा है।
- माउंट आबू के दिलवाए जैन मंदिर के निर्माण काल में भी इसका उपयोग हुआ।
- इसकी संरचना और उच्च कैल्शियम सामग्री लंबे समय तक बने रहने की क्षमता रखती है।

औद्योगिक विशेषज्ञों का कहना है कि वैज्ञानिकों के पास जितने पुराने पत्थर हैं, उतने पुराने नहीं हैं, लेकिन संगमरमर की ईंटें उनकी बनाई हुई हैं।

- कार्टून के चित्र— अमेरिका, इंग्लैंड, न्यूज़ीलैंड आदि—में भी इसका उपयोग होता है।
- जीआई टैग मिलने से अंबाजी मार्बल का वैश्विक ब्रांड मूल्य और बढ़त।

GI टैग क्या है?

Geographical Indication (GI) ऐसा चिन्ह है जो किसी विशेष स्थान से उत्पन्न उत्पाद की विशेष गुणवत्ता, प्रतिष्ठा या विशेषताओं को दर्शाता है।

• GI टैग Geographical Indications of Goods (Registration and Protection) Act, 1999 के तहत दिया जाता है।

- यह 10 वर्षों के लिए मान्य होता है और इसे नवीनीकृत किया जा सकता है।

उद्देश्य:

- स्थानीय विरासत की रक्षा
- ग्रामीण विकास को बढ़ावा
- क्षेत्र-विशेष उत्पादों की नकल/दुरुपयोग रोकना

भारत के कुछ महत्वपूर्ण GI-टैग प्राप्त उत्पाद

1. **आंध्र प्रदेश**- Araku Coffee, Tirupati Laddu, Venkatagiri Saree, Kondapalli Toys, Bobbili Veena
2. **अरुणाचल प्रदेश**- Idu Mishmi Textiles, Yak Churpi
3. **असम**- Muga Silk, Assam Orthodox Tea, Boka Chaul, Sarthebari Metal Craft
4. **बिहार**- Madhubani Painting, Bhagalpuri Silk, Sikki Grass Work, Katarni Rice

5. छत्तीसगढ़- Bastar Dhokra, Bastar Wooden Craft, Jeeraphool Rice
6. गोवा- Feni, Khola Chilli
7. गुजरात - Patan Patola, Kutch Embroidery, Gir Kesar Mango, Sankheda Furniture, Ambaji White
8. हरियाणा - Bhiwani Handloom Saree, Phulkari
9. हिमाचल प्रदेश- Kangra Tea, Chamba Rumal, Kinnauri Shawl
10. झारखंड - Sohrai Khovar Painting, Dokra Craft
11. कर्नाटक- Mysore Silk, Mysore Sandal Soap, Channapatna Toys, Coorg Arabica Coffee
12. केरल - Aranmula Kannadi, Alleppey Green Cardamom, Vazhakulam Pineapple, Kasaragod
13. लद्दाख - Ladakh Apricot, Wood Carving of Ladakh
14. मध्य प्रदेश- Maheshwari Saree, Chanderi Fabric, Ratlam Sev
15. महाराष्ट्र -Alphonso Mango, Paithani Saree, Kolhapuri Chappal, Nashik Grapes, Puneri Pagadi
16. मणिपुर-Chakhao Black Rice, Moirang Phee, Shaphee Lanphee
17. मेघालय - Memong Narang, Garo Dakmanda
18. मिज़ोरम- Mizo Tawlhlohpuan, Mizo Hmaram
19. नागालैंड- Naga Mircha, Naga Tree Tomato
20. ओडिशा-Odisha Rasagola, Kandhamal Haldi, Pipli Applique Work
21. पंजाब - Phulkari, Amritsari Papad, Basmati Rice
22. राजस्थान - Blue Pottery of Jaipur, Kota Doria, Kathputli, Makrana Marble
23. सिक्किम- Sikkim Large Cardamom, Dalle Khursani
24. तमिलनाडु- Kanchipuram Silk, Madurai Jasmine, Thanjavur Paintings, Salem Turmeric,
25. तेलंगाना- Pochampally Ikat, Gadwal Saree, Karimnagar Silver Filigree
26. त्रिपुरा- Rignai-Risa, Tripura Queen Pineapple
27. उत्तर प्रदेश - Banarasi Saree, Lucknow Chikan, Kannauj Perfume, Meerut Scissors, Ald Guava
28. उत्तराखंड- Aipan Art, Ringaal Handicraft
29. पश्चिम बंगाल- Darjeeling Tea, Nakshi Kantha, Gobindobhog Rice, Fazli Mango

INDIA
Some famous products with GI tags
JAMMU & KASHMIR
► Kashmir Papier Mache
► Khatamband
► Kashmir Walnut Wood Carving
► Kani Shawls
► Kashmir Pashmina
UTTAR PRADESH
► Banaras Brocades and Sarees
► Lucknow Chikan Craft
► Mango Malihabadi/ Dussehri
► Varanasi Glass Beads
► Khurja Pottery
► Mirzapur handmade Durrie
RAJASTHAN
► Kathputlis
► Sanganeri Hand-Block Printing
► Blue Pottery of Jaipur
► Makrana Marble
► Bikaneri Bhujia
BIHAR
► Sikki Grass Work of Bihar
► Madhubani Paintings
► Bhagalpur Silk
► Magahi Paan
ASSAM
► Muga Silk
► Tezpur Litchi
► Joha Rice
MADHYA PRADESH
► Chanderi Fabric
► Ratlami Sev
► Kadaknath Chicken
► Leather Toys of Indore
MANIPUR
► Moirang Phee (fabric and sarees)
► Shape Lanphere
► Kachai Lemon
► Wangkhei Phee
WEST BENGAL
► Darjeeling Tea
► Santiniketan Leather Goods
► Khirsapati and Fazli Mango
► Banglar Rosogolla
MAHARASHTRA
► Warli Painting
► Nashik Valley Wine
► Puneri Pagadi (turban)
► Mahabaleshwar Strawberry
KARNATAKA
► Byadgi Chilli
► Mysore Agarbathi
► Kinnal Toys
► Mysore Pak
► Coorg Orange
► Bidriware
► Mysore Silk
► Bangalore Rose Onion
► Bangalore Blue Grapes
TAMIL NADU
► Thanjavur Paintings
► Kancheepuram Silk
► Coimbatore Wet Grinder
► Temple Jewellery of Nagercoil
KERALA
► Aranmula Kannadi
► Panchamirtham Prasadam
► Betel Leaf
► Palakkadan Matta Rice
► Balaramapuram Sarees and Fine Cotton Fabric
TAJIKISTAN
AFGHANISTAN
PAKISTAN
CHINA (Tibet)
NEPAL
BHUTAN
BANGLADESH
MYANMAR (BURMA)
SRI LANKA
I N D I A
Arabian Sea
Bay of Bengal
Lakshadweep (India)
Andaman and Nicobar Islands (India)
INDIAN OCEAN
International Boundary
State Boundary
Map not to Scale
Copyright © 2019 www.mapsofindia.com

Digital Personal Data Protection (DPDP) Act, 2023

- The **Union Government has recently notified select provisions of the Digital Personal Data Protection (DPDP) Act, 2023**, bringing parts of the law into force.
- To operationalize the Act, the **Ministry of Electronics and IT (MeitY)** has also notified the **Draft DPDP Rules 2025.**

About the act

- India's first comprehensive data protection law governing digital personal data.It is based on the Supreme Court's KS Puttaswamy (2017) judgment that recognised privacy as a fundamental right under Article 21. Inspired by global models like EU GDPR, but with India-specific features.

Key Definitions

- **Data Principal**: The individual whose personal data is being processed. For minors (under 18) or persons under guardianship, their guardian counts as the data principal.
- **Data Fiduciary**: An entity (company, organization, person) that decides the *purpose* and *means* of processing personal data.
- **Data Processor**: Someone who processes data on behalf of a fiduciary (for example, a cloud service provider).
- **Digital Personal Data**: Personal data in digital form — whether collected online, or digitized after being collected in physical form.
- **Personal Data Breach**: Any unauthorized access, loss, or alteration of personal data that affects its confidentiality, integrity, or availability.

- **Significant Data Fiduciary (SDF)**: A classification for fiduciaries that handle large volumes or sensitive data, or pose a particular risk to data principals, national security, or public order.
- **Consent Manager**: A new intermediary role — these are entities that help manage user consent in a standardized way.

Scope and Applicability

- The Act regulates *digital* personal data. Paper records that have never been digitized are **not** covered.
- It has **extraterritorial reach**: If a company outside India is processing digital personal data of individuals in India (e.g., offering services to Indians), the Act can apply.
- Certain categories are **excluded** from the Act: e.g., purely personal or domestic use, self-published data, or some government-related processing.

Major Principles and Obligations

The DPDP Act is built on several core data protection principles:

1. **Consent**: Processing personal data generally requires *free, informed, specific* consent from the data principal. Consent notices must clearly explain what data is collected, why, and how it will be used. Data principals must be informed how to withdraw consent.
2. **Purpose Limitation & Data Minimization**: Fiduciaries should collect *only the data that is necessary* for the stated purpose. The data should not be retained longer than needed for that purpose.
3. **Security Safeguards**: Fiduciaries must ensure **accuracy**, **privacy-by-design**, **security safeguards**. They must notify DPBI and affected person in case of **data breach**.
4. **Rights of Data Principals** The Act grants various rights to individuals, including:
    - **Right to Access**: You can ask what data is being held about you.
    - **Right to Correction/Erasure**: You can ask to correct wrong data or delete it under some conditions.
    - **Right to Withdraw Consent**: You can revoke your consent.
    - **Grievance Redressal**: You can complain to the Data Protection Board if your rights are violated.
    - **Nominate a Consent Manager**: You may choose someone (a "consent manager") to make data-related decisions on your behalf.
5. **Special Protections for Children**: The Act prohibits behavioral monitoring or targeted advertising for children (under 18). Consent for minors' data needs to be verifiable (through guardian), per rules.
6. **Significant Data Fiduciary (SDF) Obligations**: They have stricter obligations: appoint a data protection officer in India, conduct impact assessments, periodic audits, etc.

Institutional Mechanism: Data Protection Board

- The Act establishes a **Data Protection Board of India** to enforce compliance. This Board has investigatory powers: it can look into grievances, order corrective action, and impose **penalties** for non-compliance.

- Penalties: For serious breaches (e.g., failing to protect data), fines can go up to **₹ 250 crore** in certain cases.
- Appeals against Board decisions go to the **Telecom Disputes Settlement and Appellate Tribunal (TDSAT)**.

Exemptions & State Powers

The Act gives certain **exemptions to the government**: for reasons including sovereignty, security, public order, or crime prevention. Certain rights & obligations do not apply for:

- Notified State agencies (national security, sovereignty, public order).
- Research, archiving, statistical purposes.
- Startups or notified classes of Data Fiduciaries.
- Judicial functions.
- Enforcement of legal rights.
- Processing foreign data under foreign contracts.

Key Features of the Notified DPDP Rules, 2025

1. **Consent Managers**: Role introduced to manage user consent in a standardized way. Consent Managers must be **Indian-registered companies**.They must register with the Data Protection Board and comply with rules.
2. **Security Safeguards**: Data fiduciaries required to adopt *technical & organizational measures*: encryption, masking, access controls, monitoring. They must log data access and security events.
3. **Breach Notification**: Data fiduciaries must notify the **Data Protection Board** and **affected data principals** within **72 hours** of a data breach. Notices should include: what happened, when, how, impact, and remediation steps.
4. **Data Retention & Erasure**: Intermediaries (e.g., social media, e-commerce) must delete user data after **3 years of inactivity**. Before deletion, data principals must be given **48-hour notice**. Data fiduciaries must also erase data that is no longer needed for its purpose.
5. **Parental Consent for Minors**: For processing personal data of **children < 18 years**, *verifiable parental consent* is required. Data fiduciaries must ensure the person giving consent is actually a parent/guardian.
6. **Digital-First Data Protection Board**: The DPBI is designed to function *digitally*: grievance redressal, consent-manager registration, breach reporting, etc., can be handled online. The Board can suspend or cancel Consent Manager registration in case of non-compliance.

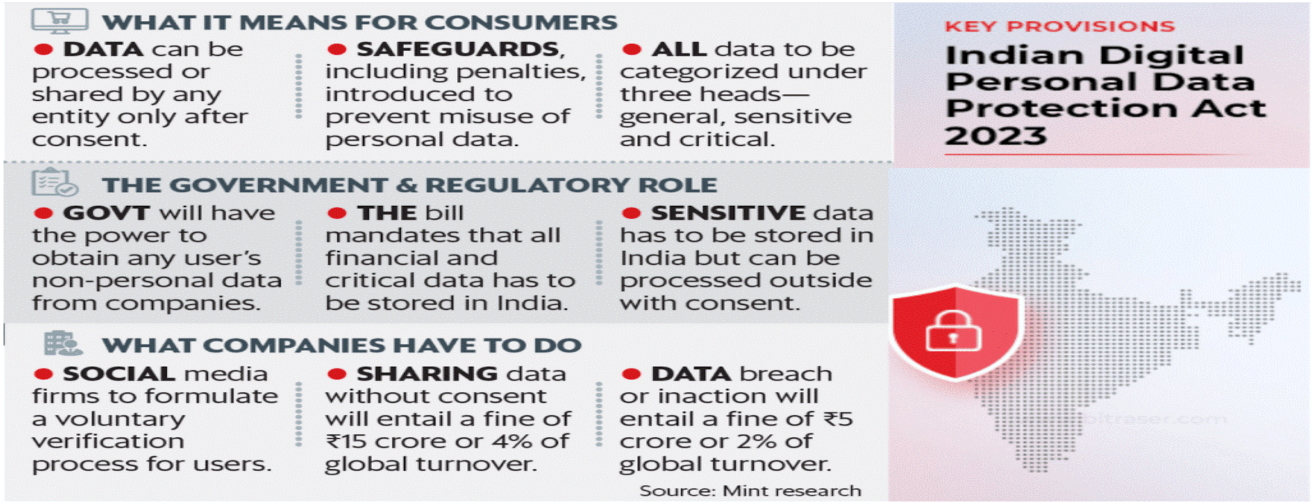

7. **Cross-Border Transfers**: Personal data can be transferred outside India, but subject to conditions set by the **Central Government**. These conditions can include making data available to foreign states, if required by law.

Criticisms

While the DPDP Act is a big step forward, it has drawn various criticisms:

1. **Broad Exemptions for the State**: Critics argue that the exemptions granted to state agencies are too wide, which may dilute citizens' privacy rights.
2. **Limited Rights Compared to Other Laws (e.g. GDPR):**The Act does *not* provide a right to data portability, which is often seen in other data protection laws.
3. **Cross-border Data Flow**: The Act allows free transfer of data to other nations, with the government able to impose restrictions later — raising concerns about data sovereignty.
4. **No Private Compensation Mechanism**: Unlike some data protection regimes, data principals under DPDP cannot directly claim compensation from fiduciaries for data breaches. Instead, penalties are imposed by the Board.
5. **Enforcement Challenges**: Implementing the law at scale, especially for small businesses, and ensuring firms meet security and auditing requirements might be difficult.

Way forward

- Clear definitions for exemptions (security, sovereignty).
- Stronger safeguards for govt data processing.
- Bilateral data transfer agreements.
- Regular updates to deal with emerging tech (AI, biometrics).
- Adopt best practices from **GDPR, EU-US Data Privacy Framework**.

Ambaji Marble Gets GI Tag

- The **Ambaji white marble** from Banaskantha district, Gujarat, has been awarded the **Geographical Indication (GI) tag** by the Geographical Indications Registry under the Ministry of Commerce & Industry. The tag has been granted in the name of the **Ambaji Marbles Quarry and Factory Association**.

About Ambaji Marble:

- Sourced from **Ambaji**, a major **Shaktipeeth** and pilgrimage centre.
- Known for its **pure white colour**, fine texture, shine, and durability.
- Historically used in temple construction for **1,200–1,500 years**, including during the period when the **Dilwara Jain Temples (Mount Abu)** were built.
- The marble's strength and **high calcium content** give it long-lasting purity; industrialists note that even the stones of the Taj Mahal show ageing, but Ambaji marble retains its whiteness.
- Used in temple construction abroad as well—**U.S., England, New Zealand**, etc.
- The GI recognition further boosts the global brand value of Ambaji marble.

What is a GI Tag?

A **Geographical Indication (GI)** is a sign used on products that have a **specific geographical origin** and possess qualities, reputation, or characteristics essentially attributable to that location.

- Governed by the **Geographical Indications of Goods (Registration and Protection) Act, 1999**.
- Valid for **10 years**; can be renewed.
- Helps protect local heritage, promote rural development, and prevent misuse or imitation of region-specific products.

Some important GI-Tagged Products in India

1. **Andhra Pradesh:** Araku Coffee, Tirupati Laddu, Venkatagiri Saree, Kondapalli Toys, Bobbili Veena
2. **Arunachal Pradesh:** Idu Mishmi Textiles, Yak Churpi
3. **Assam:** Muga Silk, Assam Orthodox Tea, Boka Chaul, Sarthebari Metal Craft
4. **Bihar:** Madhubani Painting, Bhagalpuri Silk, Sikki Grass Work, Katarni Rice
5. **Chhattisgarh:** Bastar Dhokra, Bastar Wooden Craft, Jeeraphool Rice
6. **Goa:** Feni, Khola Chilli
7. **Gujarat:** Patan Patola, Kutch Embroidery, Gir Kesar Mango, Sankheda Furniture, Ambaji White Marble
8. **Haryana:** Bhiwani Handloom Saree, Phulkari
9. **Himachal Pradesh:** Kangra Tea, Chamba Rumal, Kinnauri Shawl
10. **Jharkhand:** Sohrai Khovar Painting, Dokra Craft
11. **Karnataka:** Mysore Silk, Mysore Sandal Soap, Channapatna Toys, Ilkal Saree, Coorg Arabica Coffee
12. **Kerala:** Aranmula Kannadi, Alleppey Green Cardamom, Vazhakulam Pineapple, Kasaragod Saree, Wayanad Robusta Coffee
13. **Ladakh:** Ladakh Apricot, Wood Carving of Ladakh
14. **Madhya Pradesh:** Maheshwari Saree, Chanderi Fabric, Ratlam Sev
15. **Maharashtra:** Alphonso Mango, Paithani Saree, Kolhapuri Chappal, Nashik Grapes, Puneri Pagadi
16. **Manipur:** Chakhao Black Rice, Moirang Phee, Shaphee Lanphee
17. **Meghalaya:** Memong Narang, Garo Dakmanda
18. **Mizoram:** Mizo Tawlhlohpuan, Mizo Hmaram
19. **Nagaland:** Naga Mircha, Naga Tree Tomato
20. **Odisha:** Odisha Rasagola, Kandhamal Haldi, Pipli Applique Work
21. **Punjab:** Phulkari, Amritsari Papad, Basmati Rice
22. **Rajasthan:** Blue Pottery of Jaipur, Kota Doria, Kathputli, Makrana Marble
23. **Sikkim:** Sikkim Large Cardamom, Dalle Khursani
24. **Tamil Nadu:** Kanchipuram Silk, Madurai Jasmine, Thanjavur Paintings, Salem Turmeric, Thanjavur Dolls
25. **Telangana:** Pochampally Ikat, Gadwal Saree, Karimnagar Silver Filigree
26. **Tripura:** Rignai-Risa, Tripura Queen Pineapple
27. **Uttar Pradesh:** Banarasi Saree, Lucknow Chikan, Kannauj Perfume, Meerut Scissors, Allahabad Surkha Guava
28. **Uttarakhand:** Aipan Art, Ringaal Handicraft
29. **West Bengal:** Darjeeling Tea, Nakshi Kantha, Gobindobhog Rice, Fazli Mango

INDIA
Some famous products with GI tags
TAJIKISTAN
AFGHANISTAN
PAKISTAN
CHINA (Tibet)
NEPAL
BHUTAN
BANGLADESH
MYANMAR (BURMA)
SRI LANKA
Arabian Sea
Bay of Bengal
INDIAN OCEAN
Lakshadweep (India)
Andaman and Nicobar Islands (India)
I N D I A
JAMMU & KASHMIR
► Kashmir Papier Mache
► Khatamband
► Kashmir Walnut Wood Carving
► Kani Shawls
► Kashmir Pashmina
UTTAR PRADESH
► Banaras Brocades and Sarees
► Lucknow Chikan Craft
► Mango Malihabadi/ Dussehri
► Varanasi Glass Beads
► Khurja Pottery
► Mirzapur handmade Durrie
RAJASTHAN
► Kathputlis
► Sanganeri Hand-Block Printing
► Blue Pottery of Jaipur
► Makrana Marble
► Bikaneri Bhujia
BIHAR
► Sikki Grass Work of Bihar
► Madhubani Paintings
► Bhagalpur Silk
► Magahi Paan
ASSAM
► Muga Silk
► Tezpur Litchi
► Joha Rice
MANIPUR
► Moirang Phee (fabric and sarees)
► Shape Lanphere
► Kachai Lemon
► Wangkhei Phee
MADHYA PRADESH
► Chanderi Fabric
► Ratlami Sev
► Kadaknath Chicken
► Leather Toys of Indore
WEST BENGAL
► Darjeeling Tea
► Santiniketan Leather Goods
► Khirsapati and Fazli Mango
► Banglar Rosogolla
MAHARASHTRA
► Warli Painting
► Nashik Valley Wine
► Puneri Pagadi (turban)
► Mahabaleshwar Strawberry
KARNATAKA
► Byadgi Chilli
► Mysore Agarbathi
► Kinnal Toys
► Mysore Pak
► Coorg Orange
► Bidriware
► Mysore Silk
► Bangalore Rose Onion
► Bangalore Blue Grapes
TAMIL NADU
► Thanjavur Paintings
► Kancheepuram Silk
► Coimbatore Wet Grinder
► Temple Jewellery of Nagercoil
KERALA
► Aranmula Kannadi
► Panchamirtham Prasadam
► Betel Leaf
► Palakkadan Matta Rice
► Balaramapuram Sarees and Fine Cotton Fabric
International Boundary
State Boundary
Map not to Scale
Copyright © 2019 www.mapsofindia.com